तापमान
अधिकतम 21.7 डिग्री
न्यूनतम 1.6 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 11 जनवरी 2026

10 गुरु गोविंद सिंह ने जीवन में साहस और सेवा का ...

12 कहां हैं सुपर सकर मशीन, सेक्टर-6 में छह माह ...

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

THE TIMES OF INDIA
Awarded with
Times School Survey
award 2025-26

जीतें ₹ 6 लाख तक की स्कॉलरशिप

Announcing
SANSKARAM SCHOLARSHIP UNIVERSE 3.0

एक स्कॉलरशिप,
जो सपनों को दे उड़ान और
परिवारों का बने सहारा ।

Exam Date
18th January 2026

CLASSES
Nursery to 12th

No FEE /-

Free Transport

EXAM TIMING
10 AM to 12 PM

VENUE
Jhajjar Campus
Patauda Campus

For Registration
You May Visit at Any of School Receptions

Nursery to 2nd Grade: Letter Coloring, Freehand Painting and Basic Algebra

Exam Pattern - Objective Type

NCERT Syllabus of the same class will be there in exam

Class	Subjects (20 Questions Each)	Marks	Duration
3rd to 10th	Science, S.S, Maths, Reasoning	80	60 Min.
11th & 12th (Sci.)	Physics, Chemistry, Maths, Biology	80	60 Min.
11th & 12th (Com.)	Economics, Accounts, B.St, Maths	80	60 Min.
11th & 12th (Arts)	English, Pol.Sci., Geography, Reasoning	80	60 Min.

स्कॉलरशिप टेस्ट अब आपके शहर में

चरखी दादरी | साल्हावास | रोहतक

Exam Date : 11th January 2026

चरखी दादरी : जनता कॉलेज, चरखी दादरी
साल्हावास : धर्मशाला, सरकारी स्कूल के पास
रोहतक : जाट भवन, सेक्टर–1, रोहतक

समय:
सुबह
10 से 12 बजे
तक

ON-SPOT SCHOLARSHIP CASH PRIZES

Scholarship Distribution

Rank	Scholarship Benefit
1st - 10th	100% Scholarship (Cash)
11th - 20th	50% Scholarship
21st - 40th	25% Scholarship

Prizes	Nur. to 2nd Class	3rd to 5th Class	6th to 8th Class	9th to 10th Class
1st Prize	1100/- Cash	2100/- Cash	3100/- Cash	5100/- Cash
2nd Prize	500/- Cash	1100/- Cash	2100/- Cash	3100/- Cash
3rd Prize	500/- Cash	500/- Cash	1100/- Cash	2100/- Cash

माता दमयंती बालिका छात्रवृति योजना

Applicable for class 9th to Ph.D

लाभार्थी
सभी छात्राएँ जो अपने अभिभावकों की इकलौती संतान हैं

Scholarship available for talented students who secure positions in Art & Craft, Singing & Dance, or Sports at State, National or International levels.

Jhajjar Campus : NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar | Patauda Campus : NH.352, Patauda, Near Kulana, Jhajjar

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62 | PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02

खबर संक्षेप

युवक को डंडों से पीटा वीडियो की वायरल

बहादुरगढ़। गांव जसोरखेड़ी के निवासी एक युवक की उसके दो दोस्तों ने डंडों से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, मारपीट के दौरान उसकी वीडियो बनाई और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। आसौदा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात जसोरखेड़ी के निवासी जतिन के साथ हुई है। जतिन का कहना है कि शाम को वह अपने घर पर था। इसी दौरान दोस्त रजनेश आया और हम गांव के अड्डे पर चले गए।

गैस पाइप में लीकेज से लगी हलवाई की दुकान में आग

झज्जर। कस्बा बेरी में गैस सिलेंडर के लीकेज पाइप के कारण एक मिष्ठान भंडार में आग लग गई। गणीमत यह रही कि समय पर कर्मचारियों का ध्यान चला गया और उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए अग्निशमन यंत्र के जरिए शीघ्र ही आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार मेन बाजार स्थित गूंगा हलवाई की दुकान में रोजमर्रा की तरह जब कारीगर मिष्ठान बनाने में व्यस्त थे। इसी दौरान दोपहर बाद करीब तीन बजे अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। सिलेंडर में लगी आग के कारण जहां वहां के काम कर रहे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई।

फायरिंग मामले में तीसरा आरोपी काबू

बहादुरगढ़। मॉडर्न स्कूल के बाहर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी व हथियार बरामद किया गया है। गत तीन अक्टूबर की रात को यह वारदात हुई थी। सीसीटीवी में कार में सवार होकर आए तीन युवक देखे गए। जिनमें से एक युवक ने दोनों हाथों से ताबड़तोड़ फायरिंग की थी।

ब्यूटी एंड वेलनेस कार्यशाला पर दिए सौन्दर्य के टिप्स

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ द्वारा दस दिवसीय ब्यूटी एंड वेलनेस कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का आयोजन तान्या, पेशेवर मेकअप आर्टिस्ट, के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस दौरान छात्राओं को चेहरे, आंखों और बालों की सही देखभाल, स्वच्छता तथा सौंदर्य निखार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. नीरज, डॉ. पूजा, डॉ. योगिता, डॉ. सुमन, डॉ. मोनिका सहित महिला प्रकोष्ठ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। प्राचार्य ने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में सौंदर्य विकास के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है।

मेंटेनेंस कार्य के चलते आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा जिले में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न पावर हाउसों और सब स्टेशनों पर तकनीकी कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी दिनों में ग्रामीण, शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में निर्धारित समय के अनुसार बिजली आपूर्ति बाधित रहने की सूचना जारी की गई है। बिजली निगम के अनुसार 33 केवी सब स्टेशन फरमाना में लगे 10 एमवीए क्षमता के टी-2 ट्रांसफारमर को हटाकर उसकी जगह 12.5 एमवीए का नया ट्रांसफारमर स्थापित किया जाएगा।

फरमाणा पावर हाउस पर 10 बजे से शाम 6 बजे तक बंद

इस कार्य के चलते फरमाना पावर हाउस से जुड़े सभी गांवों की बिजली सप्लाई 11, 12 और 13 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहेगी। इस दौरान सैमाण, मैणी चंद्रपाल, मैणी सुरजन, निंदाना आईटीआई, निंदाना ओल्ड, फरमाना डीएस, बेडवा डीएस, फरमाना एपी, फरमाना आईटीआई और बैंसी ओल्ड फीडरों से जुड़े उपभोक्ता प्रभावित रहेंगे।

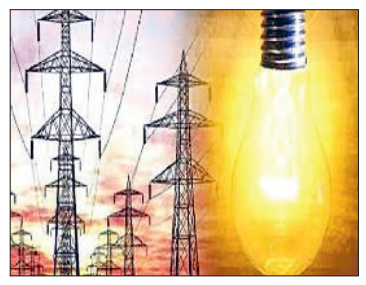

शहरी क्षेत्र में यहां भी लगेगा कट

वहीं शहरी क्षेत्र में 33 केवी न्यू ग्रेन मार्केट पावर हाउस की सप्लाई भी 11 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बाधित रखी जाएगी। यह कटौती 132 केवी एचएसआईडीसी सब स्टेशन में आवश्यक कार्य के कारण की जा रही है। इसके प्रभाव में वैश्य कॉलेज, नया पड़ाव, अग्रसेन कॉलोनी, जनता कॉलोनी, कच्चा बेरी रोड, सुनारिया रोड, नई अनाज मंडी, नई सब्जी मंडी, शुगर मिल कॉलोनी, अजीत कॉलोनी, राजेंद्र कॉलोनी, रेलवे फीडर, ओमैक्स और मेन डिस्पोजल फीडर सहित अनेक क्षेत्र आएंगे।

ये एरिया भी रहेंगे बाधित

इसके अतिरिक्त 33 केवी रोहड़ सब स्टेशन पर भी 11 जनवरी को चरणबद्ध मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक टी-3 पावर ट्रांसफारमर पर कार्य के चलते श्री राज लैमिनेट्स, परोर फूड, गिरिराज कोटेड और श्री गणेश इंडस्ट्रीज फीडरों की बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इसके बाद दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक टी-1 ट्रांसफारमर पर मेंटेनेंस के कारण मसीरसिंसा, एच-प्लाई, रोहड़ रोड, जेवी स्ट्रिप्स और वीएचवी फीडरों की आपूर्ति बाधित रहेगी।

गांधी कैंप से शहर के विभिन्न कॉलोनियों में निकला नगर कीर्तन

गुरु गोविंद सिंह ने जीवन में साहस और सेवा का दिया संदेश : ग्रोवर

पूर्व मंत्री ग्रोवर ने भक्तों और रोहतक वासियों के लिए कैंप कार्यालय के बाहर लगाया लंगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शनिवार को सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरु साहिब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने भी नगर कीर्तन में पहुंचकर श्रद्धा पूर्वक सेवा की। ग्रोवर की ओर से नगर कीर्तन के दौरान दिल्ली रोड स्थित अपने कैंप कार्यालय के बाहर गुरु का लंगर आयोजित किया गया, जिसमें सभी धर्मों और वर्गों के हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु गोविंद सिंह ने हमें समानता, साहस, त्याग और सेवा का संदेश दिया।

रोहतक। नगर कीर्तन में पंच प्यारे पर स्वागत करते पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर।

नगर कीर्तन में श्रद्धा का दिखा भाव

इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने भी नगर कीर्तन में पहुंचकर श्रद्धा पूर्वक सेवा की। इस मौके पर पवन आहूजा, पंकज आनंद, दीपक ग्रोवर, इंद्र मोहन, अनिल नांदल, पार्षद सुरेश किराड़, पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश भाटिया, संजय गौतम, रिंकू, संदीप, सलीम, सरदार रूबी चावला, सरदार भारत सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सेवा की।

आज ऐतिहासिक फैसले लिए जा रहे

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरु गोविंद सिंह के दिखाए हुए मार्ग पर आगे बढ़ते हुए देश और प्रदेश के लोगों की सेवा कर रहे हैं। राष्ट्र हित और देशवासियों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए जा रहे हैं। आज साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को भी देशवासी स्मरण कर रहे हैं। उनकी वीरता और उनके सम्मान में मोदी ने वीर बाल दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी को उनके गर्व से भरे इतिहास के बारे में पता चले। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह नशे से दूर होकर राष्ट्र के लिए मेहनत करें।

रोहतक। नगर कीर्तन में बिगूल बजाते हुए। फोटो :हरिभूमि

लंगर सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते ग्रोवर ने कहा कि लंगर केवल भोजन नहीं, बल्कि भाईचारे, समानता और सेवा भावना का प्रतीक है, जहां अमीर-गरीब, ऊँच-नीच का कोई भेद नहीं होता। इस दौरान पूर्व मंत्री ग्रोवर और उनके बेटे हिमांशु ग्रोवर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सेवा की।

मार्केट न्यूज

तनिष्क का नया चेहरा बनीं अनन्या पांडे, रोहतक में "फेस्टिवल ऑफ डायमंड्स" की शानदार शुरुआत

रोहतक। भारत का सबसे भरो सेमंद ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह का हिस्सा तनिष्क ने बॉलीवुड अभि नेत्री अनन्या पांडे को अपना नया ब्रांड चेहरा बनाते हुए अपने बहुप्रतीक्षित "फेस्टिवल ऑफ डायमंड्स" की शानदार शुरुआत की है। इसका आयोजन तनिष्क रोहतक शोरूम में पूरे उत्साह और भव्यता के साथ किया जा रहा है। तनिष्क का यह कदम आधुनिकता, आत्मविश्वास और आज की महिलाओं की बदलती पसंद को दर्शाता है। अनन्या पांडे के साथ यह साझेदारी तनिष्क के उस विज़न को और मजबूत करती है, जिसमें हीरों को सिर्फ खास मौकों तक सीमित न रखकर रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बनाया गया है। इस अवसर पर तनिष्क रोहतक स्टोर मैनेजर ने जानकारी देते हुए बताया कि "फेस्टिवल ऑफ डायमंड्स" तनिष्क का साल का सबसे बड़ा और सबसे खास डायमंड फेस्टिवल है। उन्होंने बताया कि इस फेस्टिवल में 10,000 से अधिक डायमंड डिज़ाइन्स पेश किए गए हैं, जो रोज पहनने से लेकर खास अवसरों तक हर जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। कलेक्शन में ईयररिंग्स, ईयर कफ्स, सुई-धागा, ड्रॉप्स, हूप्स, स्टड्स, अंगूठियां, नेकवियर, चूड़ियां और ब्रेसलेट्स जैसे कई आकर्षक विकल्प शामिल हैं।

श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भक्ति और वैराग्य का दिव्य संदेश

रोहतक। श्रीनगर कॉलोनी स्थित रामा आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भक्तिभाव और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कथा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं भजन-कीर्तन के साथ हुआ, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिरस में डूब गया। कथा व्यास स्वामी रामानुज दास महाराज ने तीसरे दिन की कथा में भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र तथा भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का अत्यंत भावपूर्ण और सरल शब्दों में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि "सच्ची भक्ति वही है जिसमें अहंकार का त्याग हो और प्रभु पर पूर्ण विश्वास हो। भागवत कथा मानव को सांसारिक मोह से निकालकर प्रभु भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करती है।

पार्षद मोनिका सर्वसम्मति से बनीं कलानौर नगर पालिका की वाइस चेयरमैन

कलानौर। नगर पालिका कलानौर की वार्ड नंबर 4 की पार्षद मोनिका आनंद को सर्वसम्मति से कलानौर नगर पालिका की वाइस चेयरमैन चुना गया। शनिवार को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित चुनाव प्रक्रिया के दौरान रोहतक नागरिक उपमंडल अधिकारी को इस चुनाव प्रक्रिया का निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया। इस बैठक में उपस्थित सभी पार्षदों ने अपनी सहमति से वार्ड नंबर चार की पार्षद मोनिका आनंद को यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपने का निर्णय लिया, इसकी आधिकारिक घोषणा होते ही मोनिका आनंद के समर्थकों तथा शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने फूलमालाओं तथा लड्डू बाटकर स्वागत किया। नवनिर्वाचित नगर पालिका उपाध्यक्ष मोनिका आनंद ने सभी नगर वासियों तथा पार्षदों का धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी को बड़ी आस्था तथा निष्ठा पूर्वक निभाएंगी और बिना किसी भेदभाव के कलानौर कस्बे के विकास कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। मंडल अधिकारी रोहतक, कलानौर नगर पालिका चेयरपर्सन निर्मला देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, भाजपा जिला सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ अशोक रंगा, रमेश भाटिया, समाजसेवी एवं पार्षद राजू फौजी, रमेश चेची, प्रतुल आनंद, अमित कुमार, कृष्ण, कीर्ति, सतीश मदन सहित बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जॉन वेस्ले के एनएसएस कैंप में शैक्षिक गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 6 जनवरी से प्रारंभ हुए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के अंतर्गत पांचवें दिन विभिन्न रचनात्मक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन एवं सामाजिक जागरूकता विकसित करना है। दिन की शुरुआत कृष्णा गिल द्वारा आयोजित योग सत्र से हुई। योग सत्र में स्वयंसेवकों को प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया, जिससे विद्यार्थियों ने मानसिक शांति एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, नृत्य एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और सामाजिक संदेश भी दिया। गतिविधियों के अंतिम चरण में एनएसएस स्वयंसेवकों ने सुमित सर्जिकल्स का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को चिकित्सीय उपकरणों, उनके उपयोग एवं स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ा।कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस प्रभारी शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय उपप्राचार्या मिसेज मशेंका, कृष्णा, जयदीप, संदीप, सुमित और एनएसएस के सभी स्वयंसेवक मौजूद थे।

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्केल के एनएसएस कैंप में मौजूद विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को बताया सेवाभाव का महत्व

प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि "एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना उत्पन्न करती है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी सेवा और सीखने के इस मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि योग जैसे अभ्यास जीवन में संतुलन लाते हैं और ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन से जोड़ते हैं।

तहसीलदार ने 50 से अधिक इंतकालों को निपटाया

महम। लंबित इंतकालों का निपटारा करते तहसीलदार रवि कुमार और जलसा ए आम में मौजूद ग्रामीण व पटवारी।

महम। शनिवार को महम के उपमंडल स्तरीय लघु सचिवालय में राजस्व विभाग द्वारा जलसा ए आम का आयोजन किया गया। इस दौरान तहसीलदार रवि कुमार ने 50 से अधिक लंबित इंतकालों का निपटारा किया। लंबित इंतकालों को निपटाने के लिए लगाए गए इस स्पेशल शिविर शिविर में महम तहसील के विभिन्न गांवों के लोग फरियाद लेकर पहुंचे। तहसीलदार ने इंतकाल संबंधित समस्याएं सुनी और उनका निपटारा किया। तहसीलदार रवि कुमार ने बताया कि राजस्व विभाग के वित्तायुक्त के आदेश पर जलसा ए आम का आयोजन किया गया था। जनवरी महीने के सभी शनिवार को यह कैंप लगाया जाएगा। जिन लोगों के जमीन के इंतकाल लंबित हैं, वे शनिवार 17 जनवरी, शनिवार 24 जनवरी और शनिवार 31 जनवरी को जलसा ए आम में भाग लेकर अपने पेंडिंग इंतकाल का निपटारा करवा सकते हैं। यह आयोजन लघुसचिवालय में तहसीलदार कार्यालय के बाहर किया जाता है।

जंप रोप में हरियाणा का दमदार प्रदर्शन, 4 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य पदक जीतकर मनवाया लोहा

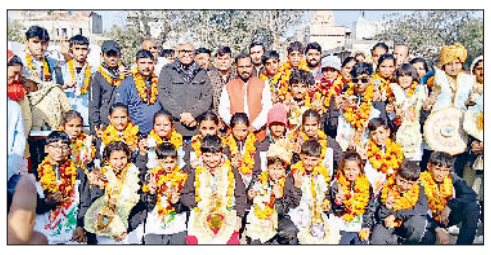

रोहतक। खिलाड़ियों का स्वागत करते हरियाणा जंप रोप संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दीपक भारद्वाज ।

रोहतक। चेन्नई (तमिलनाडु) स्थित तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में 5 से 7 जनवरी 2026 तक आयोजित 22वीं सब जूनियर राष्ट्रीय जंप रोप प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम देशभर में रोशन किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से 14 लड़के और 14 लड़कियों ने भाग लिया और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए कुल 18 पदक अपने नाम किए। टीम ने 4 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता से लौटने पर रेलवे स्टेशन पर सभी विजेता खिलाड़ियों का जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। हरियाणा जंप रोप संघ के संस्थापक वीर सिंह आर्य ने बताया कि खिलाड़ियों के स्वागत में अभिभावकों, परिजनों और खेल प्रेमियों ने फूलों और नोटों की माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर हरियाणा जंप रोप संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दीपक भारद्वाज (एडवोकेट) विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

मनरेगा पर कांग्रेस का झूठा विलाप, भाजपा ने योजना को खत्म नहीं बल्कि भ्रष्टाचार से मुक्त किया : शमशेर खरक

रोहतक। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा मनरेगा को लेकर दिया गया बयान पूरी तरह भ्रामक, तथ्यहीन और राजनीतिक हताशा से प्रेरित है। यह प्रतिक्रिया भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर झूठ, भ्रम और भावनात्मक नारेबाजी के सहारे अपनी गुटबाजी और पार्टी संगठन की नाकामियों को छिपाने का प्रयास कर रही है। खरक ने कहा कि भगवान राम करोड़ों भारतीयों के आराध्य हैं, लेकिन कांग्रेस उनके नाम पर राजनीति कर अपने भ्रष्ट अतीत से ध्यान भटकाना चाहती है। सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार ने न तो मनरेगा को खत्म किया है और न ही गरीबों का अधिकार छीना है, बल्कि इसे भ्रष्टाचार से मुक्त कर पारदर्शी और जवाबदेह बनाया है। खरक ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में मनरेगा फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी मस्टर रोल और फर्जी परियोजनाओं का अड्डा बन गई थी। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 वर्षों में ग्रामीण रोजगार पर ढाई गुना से अधिक राशि खर्च की गई और डीबीटी, आधार लिंकिंग व डिजिटल भुगतान से पैसा सीधे मजदूर के खाते में पहुंचा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज विवि में हर्षोल्लास के साथ मनाया युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को निडर व साहसी बनने और सेवाभाव के लिए प्रेरित किया : सुमन

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस है। आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद की जयंती को देश में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मकसद युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना है। यह दिन युवाओं को शिक्षा, आत्म विकास, राष्ट्र निर्माण और अध्यात्म के मार्ग पर पर चलने के लिए प्रेरित करता है। यह दिन युवाओं की ऊर्जा और क्षमता का पहचानकर स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का संदेश देता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को निडर व साहसी बनने और सेवाभाव के लिए प्रेरित किया था। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज सेंटर महम की सह संचालिका बीके सुमन ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय द्वारा युवा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महम केंद्र में भी युवा दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। युवाओं को उनकी शक्ति का अहसास करवाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा। युवा दिवस के उपलक्ष्य पर बीके सुमन ने कहा है कि भारत की तरक्की के लिए देश के युवाओं को शारीरिक रूप से ताकतवर बनाना होगा। साथ ही उनका मन मजबूत बनाना पड़ेगा। क्योंकि युवावस्था जीवन का सबसे कीमती समय होता है। यह जीवन का स्वर्ण काल होता है। युवा अवस्था में युवाओं में अपार ऊर्जा होती है। उनके सपने भी बड़े होते हैं और कुछ कर दिखाने की तमन्ना भी होती है। आज का युवा सिर्फ भविष्य निर्माता नहीं बल्कि वर्तमान की शक्ति भी है। दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक बढ़ रही है। सुविधाएं बढ़ रही हैं लेकिन साथ-साथ तनाव, क्रोध, नशा और निराशा भी बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में युवाओं को सबसे पहले अपने मन की शक्ति को पहचानना होगा। जो युवा स्वयं की शक्ति को पहचान लेता है वह तभी सही निर्णय ले पाता है। सबसे पहले उनको सकारात्मक सोच पैदा करनी होगी। वे जैसा सोचेंगे वैसे ही बनेंगे। युवाओं के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है।

बीके सुमन

समस्या देने वाला नहीं, समस्या का समाधान खोजने वाला बने

युवाओं को समस्या पैदा करने वाला नहीं बल्कि समाधान खोजने वाला युवा बनना होगा। बने हम नशे से दूर रहना होगा। निराशा से निकलकर आशावादी बनना होगा। अपने आपसे, परिवार व दोस्तों से कंप्लेंट नहीं करनी, बल्कि अपने को कम्पलीट बनाना है। अपने मां-बाप, गुरुजनों और बड़ों को सम्मान देना है। जितनी हम बड़ों की इज्जत करेंगे, उतने ही हम खुद रिस्पेक्टफुल बनेंगे।

युवाओं के लिए सेल्फी से ज्यादा सेल्फ रिलाइजेशन करना जरूरी

युवाओं को मोबाइल फोन पर सेल्फी लेने का बहुत शौक चढ़ा हुआ है, लेकिन वे सेल्फ रिलाइजेशन नहीं कर रहे। आत्म मंथन और आत्म चिंतन भी जरूरी है। जैसे हम मोबाइल को रिचार्ज भी करते हैं रिफ्रेश भी करते हैं। उसी प्रकार अपने मन को भी रिचार्ज करना होगा। सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स बढ़ रहे हैं, लेकिन स्वयं में लीडरशिप कम हो रही है। आज स्ट्रेस नहीं स्किल को अपनाने की जरूरत है। हुनरमंद बनकर युवक युवतियां खुद के साथ साथ देश के विकास में योगदान दे सकते हैं।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 11 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 21.7 डिग्री
न्यूनतम 1.6 डिग्री

रोहतक से कामाख्या तक दौड़ेगी अमृत भारत एक्सप्रेस
पूर्वोत्तर से सीधा रेल संपर्क से जुड़ा शहर
सप्ताह में एक फेरा, लोगों को मिलेगी सुविधा

रविवार रात 10:10 बजे रोहतक से चलेगी और मंगलवार दोपहर 12:15 बजे कामाख्या पहुंचेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रेलवे यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। रेलवे बोर्ड ने रोहतक से कामाख्या (असम) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने को मंजूरी दे दी है। यह ट्रेन 15671/15672 कामाख्या–रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस के नाम से साप्ताहिक सेवा के रूप में चलाई जाएगी। हालांकि इसका औपचारिक शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा, लेकिन रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आदेश में ट्रेन के रूट, ठहराव और समय की पूरी जानकारी सामने आ गई है।

रेलवे बोर्ड के अनुसार 15671 कामाख्या–रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार रात 10 बजे कामाख्या स्टेशन से रवाना होगी और रविवार दोपहर 2:45 बजे रोहतक पहुंचेगी। वहीं 15672 रोहतक कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस रविवार रात 10:10 बजे रोहतक से चलेगी और मंगलवार दोपहर 12:15 बजे कामाख्या पहुंचेगी। इस प्रकार यह ट्रेन अप और डाउन दोनों दिशाओं में साप्ताहिक रूप से संचालित होगी। यह अमृत भारत एक्सप्रेस देश के कई बड़े और महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेगी। ट्रेन का ठहराव काठिहार, छपरा, वाराणसी, प्रयागराज, चिपियाना बुजुर्ग, दिल्ली सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर निर्धारित किया गया है।

व्यापार, शिक्षा व रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे
इस ट्रेन के शुरू होने से रोहतक को पहली बार असम और पूर्वोत्तर भारत से सीधा रेल संपर्क मिलेगा। इससे न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। रोहतक, झज्जर और आसपास के जिलों के लोगों को अब दिल्ली जाकर ट्रेन बदलने की मजबूरी नहीं रहेगी।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी ट्रेन
रेलवे के अनुसार, इस अमृत भारत एक्सप्रेस में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ट्रेन की प्राथमिक मेंटेनेंस कामाख्या में होगी, जबकि नई जलपाईगुड़ी, बरौनी, वाराणसी और दिल्ली में भी इसका रखरखाव किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर उद्घाटन के रूप में इसे विशेष सेवा के तौर पर भी चलाया जा सकता है।

इसके अलावा वाणिज्यिक ठहरावों में रंगिया, बरपेटा रोड, न्यू बोंगाईगांव, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, बरसोल, नौगछिया, मानसी, बेगूसराय, बरौनी, हाजीपुर, सोनपुर, बलिया, गाजीपुर सिटी, औरंगाबाद, गाजियाबाद, बहादुरगढ़ जैसे स्टेशन शामिल हैं। इससे पूर्वोत्तर भारत के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

खबर संक्षेप

काहनौर में युवक ने की आत्महत्या
रोहतक। काहनौर में एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक काफी समय से मानसिक तौर पर परेशान चल रहा था। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने मुताबिक युवक रमेश काफी समय से मानसिक तौर पर परेशान था। इन्हीं कारणों के चलते उसने आत्महत्या कर ली।

सुदंरपुर के पास हादसे में युवक की मौत
रोहतक। सुदंरपुर के पास हुए हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान एशांत निवासी नेपाल के तौर पर हुई है। उसका शव सुंदरपुर माइनर के पास मिला था। वह रात को घूमने के लिए बाइक से निकला था तभी संतुलन बिगड़ गया और गिरकर मौत हो गई। सदर पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बहलबा गांव में खो-खो खेल प्रतियोगिता आज
महम। आर्यन स्पोर्ट्स क्लब बहलबा द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्य तिथि पर गांव के शहीद राजवीर सिंह खेल स्टेडियम में रविवार 11 जनवरी को खो-खो की अंडर-14 आयु वर्ग खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक रोहतास राठी ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्य तिथि पर बच्चों को जय जवान जय किसान का महत्व बताया जाएगा। साथ ही युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्पोर्ट्स क्लब के प्रधान अजीत सिंह ने बताया कि इस दौरान शास्त्री जी के नारे को फलीभूत करते हुए एक जवान और एक किसान को सम्मानित किया जाएगा।

आरएसएस की प्रमुख नागरिक गोष्ठी आज
महम। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा रविवार दोपहर 2 बजे कस्बा महम की स्वर्णकार धर्मशाला में प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। एडवोकेट अशोक सिवाच ने बताया कि जिला संघ चालक देवेंद्र गोयल कार्यक्रम के संयोजक हैं। नागरिक गोष्ठी की अध्यक्षता शिवानंद धर्मार्थ औषधालय खेड़ी महम के निदेशक डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा करेंगे। जबकि प्रांत अभिलेखाकार प्रमुख संजय कुमार और विश्व हिंदू परिषद के उत्तर क्षेत्र सामाजिक समरसता प्रमुख ईश्वर लाल गोष्ठी के मुख्य वक्ता होंगे।

कॉलेजियम 30 के उपचुनाव में दो ने नामांकन भरा
रोहतक। जाट शिक्षण संस्था के कॉलेजियम नंबर 30 के उपचुनाव में दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भरा। पहले उम्मीदवार करमबीर तथा दूसरे उम्मीदवार ईश्वर सिंह हैं। दोनों ही बहु अकबरपुर गांव के निवासी हैं। चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर डॉ सितेंद्र पावड़िया ने बताया कि 11 जनवरी को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी और 12 जनवरी को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी। उसी दिन चुनाव चिन्ह भी अलॉट किए जाएंगे। मतदान 15 को होगा।

यो रोहतक सै प्रधान...यहां रात में तेल नहीं, पर दारू जरूर मिलेगी

रात को बंद पड़ा पेट्रोल पंप

रोहतक में 150 से ज्यादा पेट्रोल पंप, फिर भी लोग परेशान

शहर में रात को पेट्रोल-डीजल के लिए भटकना पड़ेगा पर शराब 24x7 अवेलेबल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर में एक ओर जहां रात के समय पेट्रोल और डीजल जैसी आवश्यक सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है, वहीं दूसरी ओर शराब आसानी से मिल सकती है। शराब ठेके अब 24 घंटे के लिए खोले जा रहे हैं। हालात यह हैं कि जिले में 150 से अधिक पेट्रोल पंप होने के बावजूद रात के समय एक भी पंप नियमित रूप से खुला नहीं रहता।

इस दौरान आबकारी एवं कराधान विभाग ने कुछ शराब ठेकों को 24 घंटे खोलने का लाइसेंस जारी कर दिया है। इस स्थिति को लेकर आम लोगों में सवाल उठने लगे हैं कि जब ईंधन जैसी बुनियादी जरूरत रात में उपलब्ध नहीं है तो शराब कैसे मिल पा रही है। कई बार वाहन चालक पेट्रोल, डीजल लेने के लिए रात को परेशान दिखाई देते हैं। तिलयार के पास और दिल्ली रोड पर एक दो पंप ही रात 12 बजे तक खुले दिखाई देते हैं। इसके अलावा शहर में कोई पंप रात को नहीं खोला जा रहा। दरअसल, आबकारी विभाग में जिले में कई शराब ठेकेदारों ने रात में ठेके खोलने की अनुमति के लिए आवेदन किया था। विभाग ने शुरुआत में केवल दिल्ली बाईपास स्थित शराब ठेके को रात में संचालन की अनुमति दी है।

- विभाग ने कहा, प्रयोग के तौर पर एक ही ठेके को अनुमति दी गई आगे समीक्षा के बाद अन्य ठेकों पर निर्णय लिया जाएगा

खुलेआम बिक रही शराब

बोर्ड पर लिखा, 24 घंटे खुला रहेगा

ठेके के बाहर बाकायदा बोर्ड भी लगाया गया है, जिस पर लिखा है कि यह ठेका 24 घंटे खुला रहेगा। विभाग का कहना है कि प्रयोग के तौर पर फिलहाल एक ही ठेके को अनुमति दी है। आगे का फैसला समीक्षा के बाद लेंगे।

संचालक बोले, असुरक्षा के चलते नहीं खोलते पंप
पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि वे चाहकर भी रात में पंप नहीं खोल पा रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह सुरक्षा की कमी है। पंप मालिकों के अनुसार रात में पंप चलाने के लिए अलग से स्टाफ रखना पड़ता है, जिससे खर्च बढ़ जाता है, जबकि रात के समय ईंधन की बिक्री इतनी नहीं होती कि खर्च निकल सके। इसके अलावा कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना भी बनी रहती है। पूर्व में कई पेट्रोल पंपों पर लूटपाट और मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे कर्मचारी रात की ड्यूटी करने से कतराते हैं। पंप संचालकों का यह भी कहना है कि रात में किसी आपात स्थिति में पुलिस की मदद समय पर नहीं मिल पाती। कई मामलों में कर्मचारियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा है, जिससे उनका मनोबल गिरा है। इसी कारण अधिकांश पेट्रोल पंप मालिकों ने आपसी सहमति से रात में पंप बंद रखने का फैसला किया है। प्रशासन की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए, तो वे रात में पंप खोलने पर विचार कर सकते हैं।

इनको हो रही परेशानी
आम नागरिकों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन रही है। खासकर रात में सफर करने वाले लोगों, एंबुलेंस चालकों, ट्रक और बस चालकों को ईंधन न मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार वाहन चालक मजबूरी में दूसरे जिलों की ओर रुख करते हैं या फिर सड़क किनारे खड़े रहने को मजबूर हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर पेट्रोल पंपों की रात की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए।

सामाजिक संगठनों ने भी उठाए सवाल
स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि शराब ठेके रात में खुल सकते हैं, तो सुरक्षा के इंतजाम कर पेट्रोल पंपों को भी खोला जाना चाहिए। इससे न केवल आम जनता को राहत मिलेगी, बल्कि आपात सेवाओं को भी सुचारु रूप से चलाया जा सकेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस असंतुलन पर कब और क्या कदम उठाता है।

घर बैठे रुपये कमाने का झांसा देकर ठगे थे 8 लाख 54 हजार
पुलिस ने उत्तराखंड के आरोपी को धर दबोचा

रोहतक

पुलिस की टीम ने घर बैठे रुपये कमाने का झांसा देकर 08 लाख 54 हजार रुपये से ज्यादा की ठगी की वारदात में शामिल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान देव पुत्र वीर निवासी उतराखंड के रूप में हुई है। आरोपी को पेश अदालत किया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

प्रभारी थाना साइबर निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि गांव हुमायुपुर निवासी राहुल की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 5 जून 2025 को राहुल की टेलीग्राम आईडी पर मैसज आया। जिन्होंने राहुल को बताया कि वे शॉपवेयर कम्पनी से बात कर रहे हैं और उनकी कम्पनी अलग-अलग कम्पनियों का प्रचार करने का काम करती है। राहुल को उन्होंने घर बैठे रुपये कमाने को कहा। जिसके लिये राहुल को अलग-अलग प्रोडेक्ट के लिये प्लेटफॉर्म पर फीडबैक देकर स्क्रीनशॉट ग्रुप मे शेयर करने होंगे। जिसके लिये राहुल को 900 से 1500 रुपये देने के लिये कहा। राहुल ने उनकी बातों में आकर उनके द्वारा भेजे लिंक पर क्लिक कर आईडी बना ली।

राहुल ने उनके कहे अनुसार टास्क पूरे कर दिये। दूसरा टास्क पूरा करने के लिये उन्होने राहुल से कहा कि उसे 10 हजार रुपये का रिचार्ज करना होगा। राहुल ने उनके द्वारा दिये गये खाते मे रुपये ट्रांसफर कर दिये। टास्क पूरा करने के बाद उन्होने राहुल के पास 16248 रुपये भेज दिये।

- पीड़ित राहुल की टेलीग्राम आईडी पर 5 जून 2025 को आया था मैसज

अलग-अलग टास्क दिए
राहुल को तीन टास्क पूरा करने के लिए कहा गया जो 20143, 20000 व 92422 रुपये के बताये। राहुल ने उनके कहे अनुसार अलग-अलग टास्क के नाम पर उनके पास कुल 8,54,625 रुपये ट्रांसफर कर दिये। राहुल ने अपने रुपये निकालने की कोशिश की तो राहुल को अलग-अलग बहाने बताकर और रुपये डालने के लिये कहते। फर्जी कम्पनी व फर्जी ऐप से राहुल के साथ धोखाधड़ी कर रुपये हड़प लिये। मामले की जांच एसआई अनिल द्वारा की गई।

रफ्तार का कहर : रोडवेज बस ने कार को मारी टक्कर, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सोनीपत रोड स्थित पाकस्मा में तेज रफ्तार बस ने ब्लैक वरना कार में सामने से टक्कर मार दी। कार में सवार फाइनेंसर की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया और छत टूटकर दूर जा गिरी। कार में आग भी लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। एयरबैग ड्राइवर की छाती से चिपके हुए थे। कार की खिड़कियां काटकर उसे बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर हरियाणा रोडवेज की बस और वरना कार की आमने-सामने की टक्कर हुई। टक्कर लगने के बाद रोडवेज बस कई मीटर तक कार को धकेलते हुए चली गई। एक्सीडेंट में कार के साथ बस का अगला हिस्सा भी पूरी तरह से डैमेज हो गया। टक्कर लगते ही युवक का सिर स्टीयरिंग पर जा लगा। एयरबैग खुलकर उसकी छाती से चिपक गए। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार का आगे हिस्सा कई फीट तक पीछे चला गया। ड्राइवर सीट भी टूटकर अलग हो गई। इससे फाइनेंसर हिमांशु के सिर में भी गंभीर चोटें लगी। टक्कर लगने के कुछ ही देर बाद कार में आग लग गई। हांलाकि इससे पहले ही लोगों ने हिमांशु को बाहर निकाल लिया था। लोगों का कहना है कि टक्कर लगने के बाद कार की वायरिंग से चिंगारी उठने लगी थी, इससे ही कार में आग लगी। सूचना पाकर आईएमटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से हिमांशु को बाहर निकाला। हिमांशु को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि एक्सीडेंट के समय ही युवक ने दम तोड़ दिया था।

- टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार में आग लग गई
- एयरबैग ड्राइवर के सीने से चिपके
- कार की खिड़कियां काटकर निकाला

इकलौता पुत्र था हिमांशु, फाइनेंस का करता था काम

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जींद के गांव लिजवाना निवासी हिमांशु (23) के रूप में हुई है। शनिवार को वह किसी काम से खरखौदा गया हुआ था। रास्ते में पाकस्मा मोड़ की तरफ से रही ही रोडवेज ने उसकी कार को टक्कर मारी। परिजनों का कहना है कि हिमांशु फाइनेंस का काम करता था। वह परिवार में हिमांशु इकलौता बेटा था, उसकी एक बड़ी बहन भी है। हिमांशु के पिता जयबीर ट्रक ड्राइवर है। जो अभी किसी काम से मुंबई गए हुए हैं।

हादसे की सूचना मिली
आईएमटी थाना एसएचओ बिजेंद्र ने बताया कि पाकस्मा मोड़ के पास सड़क हादसे की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

रोहतक। ट्रेन की चपेट में आया पशु और रेलवे ट्रैक पर खड़े लोग। फोटो : हरिभूमि

घिलोड़ कलां में बड़ा हादसा
ट्रेन की चपेट में आए गोवंश यात्री एक घंटे तक फंसे रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

घिलोड़ कलां क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर बड़ा हादसा उस समय हो गया, जब दो गोवंश ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों पशुओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब ट्रेन तेज गति से गुजर रही थी। गोवंश ट्रेन के इंजन के पहियों के नीचे फंस गया, जिसके कारण चालक को तुरंत ट्रेन रोकनी पड़ी। यात्री ऋषि देशवाल ने बताया कि घटना के बाद ट्रेन को उसी स्थान पर रोक दिया गया। गोवंश के इंजन के नीचे फंसे होने के कारण ट्रेन को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। खबर लिखे जाने के एक घंटे बाद तक भी ट्रेन मौके पर ही खड़ी रही, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री ट्रेन में फंसे रहे और स्टेशन तक पहुंचने का इंतजार करते रहे। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारियों को मौके पर बुलाया गया। कर्मचारियों ने इंजन के नीचे फंसे बैल को निकालने का प्रयास शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से ट्रेन की बिजली सप्लाई भी बंद कर दी गई। ग्रामीणों की भीड़ भी घटनास्थल पर जमा हो गई। यातायात एक घंटे प्रभावित रहा।

तकनीकी गलतियों के चलते विभाग ने मशीनें मुख्यालय सुधार के लिए भेजी

ई-टिकट मशीनों के खराब होने से यात्रियों को ऑनलाइन टिकट की नहीं मिल पा रही सुविधा

ई-टिकट सिस्टम की खामी से बिगड़ा सफर बीपीएल यात्रियों पर सबसे ज्यादा असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोडवेज डिपो में प्रयोग की जा रही ई-टिकट मशीनों की लगातार खराबी यात्रियों और कर्मचारियों दोनों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। डिपो की लगभग 50 ई-टिकट मशीनों में तकनीकी खामियां सामने आई हैं, जिनके कारण बसों में ऑनलाइन टिकटिंग व्यवस्था प्रभावित हो रही है। खराब मशीनों को सुधार के लिए मुख्यालय भेजा गया है, लेकिन वहां से इनके ठीक होकर लौटने में काफी समय लग रहा है। ई-टिकट मशीनों के खराब होने से रोडवेज बसों में यात्रियों को ऑनलाइन टिकट की सुविधा नहीं मिल पा रही है। कंडक्टरों को मैनुअल तरीके से टिकट जारी करने पड़ रहे हैं, जिससे समय भी अधिक लग रहा है और यात्रियों को असुविधा हो रही है। खासकर भीड़भाड़ वाले रूटों पर इसका असर ज्यादा देखने को मिल रहा है। इस समस्या से सबसे अधिक परेशानी उन यात्रियों को हो रही है, जो सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निःशुल्क या रियायती यात्रा का लाभ लेते हैं। हरियाणा सरकार ने बीपीएल परिवारों के सदस्यों को एक हजार किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा के लिए विशेष कार्ड जारी कर रखे हैं। इन कार्डधारकों के लिए ई-टिकट मशीन के माध्यम से ही टिकट जारी किया जाता है। मशीनें खराब होने के कारण ऐसे यात्रियों को टिकट मिलने में दिक्कत आ रही है।

हो वैकल्पिक व्यवस्था

कर्मचारियों का कहना है कि मशीनों की संख्या कम होने से शेष चालू मशीनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है, जिससे उनके भी खराब होने की आशंका बनी रहती है। वहीं यात्रियों ने मांग की है कि ई-टिकट मशीनों की मरम्मत में तेजी लाई जाए और वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें परेशान न होना पड़े।

जल्द ही यह मशीनें ठीक होकर आ जाएंगी
मशीनों में बहुत बार समस्याएं आ ही जाती है, लेकिन समय पर उनको ठीक करवा लिया जाता है। उसके बाद वह आराम से काम करती है। लेकिन जल्द ही यह मशीने भी ठीक होकर आएंगी और निरंतर काम करती रहेगी। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था से काम करवाया जा रहा है। यात्रियों को परेशान नहीं किया जा रहा है।
-हंसराज सिंह, संस्थान प्रबंधक,रोडवेज डिपो

नाबालिग के अपहरण की सूचना से हड़कंप

घंटों सीसीटीवी खंगालती रही पुलिस, हालांकि शाम को बच्ची टोहाना में सुरक्षित मिल गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नेहरू कॉलोनी से एक नाबालिग छात्रा के कथित अपहरण की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और कई घंटों तक इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। हालांकि, शाम को राहत की खबर सामने आई जब बच्ची टोहाना में सुरक्षित मिल गई। सिटी थाना क्षेत्र की नेहरू कॉलोनी निवासी 8वीं कक्षा की छात्रा बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे निजी स्कूल में ट्यूशन जाने के लिए घर से निकली थी। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने पुलिस को उसके अपहरण की सूचना दी। परिजनों को शक था कि बच्ची का अपहरण एक कार में सवार दो युवकों ने किया है। इस आशंका के चलते पुलिस ने गौकर्ण तीर्थ के पास स्थित आंबेडकर भवन समेत आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी की जांच की। संदिग्ध वाहन के नंबर के आधार पर पूछताछ की गई। देर शाम मिलने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैनल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) ज़हर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

11 मार्च से होने वाली 8वीं कक्षा तक की परीक्षाओं की तैयारियों में जुटा विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान, प्रशिक्षण परिषद उपलब्ध कराएगा प्रश्न व उत्तर पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पहली से आठवीं कक्षा की परीक्षा के लिए शिक्षा निदेशालय ने शेड्यूल जारी किया है। इसके अनुसार कक्षाओं की परीक्षा 11 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। जिले के करीब 33,900 विद्यार्थी परीक्षा में बैठेंगे। शेड्यूल को सभी स्कूल मुखियाओं को साझा करने के लिए आदेश जारी किए हैं। इसमें कक्षा 6 से 8 की परीक्षा 11 मार्च से शुरू होगी, जबकि पहली से पांचवीं कक्षा की परीक्षा 13 मार्च से शुरू होगी। यह परीक्षा लगातार होंगी, इसके बीच केवल रविवार की छुट्टी रखी गई है।आदेश मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। शिक्षा विभाग में जल्द ही इसी सदंर्भ में बड़ी बैठक होने जा रही है।

■ परीक्षा में 33,900 विद्यार्थी लेंगे भाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को सभी जिलों में पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार प्रश्नपत्र व उत्तर पुस्तिका मुद्रित कर समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्री की कक्षा व्यवस्था विद्यालय स्तर पर सीसीडब्ल्यूएएफ फंड, परीक्षा फंड या अन्य उपलब्ध फंड से की जाएगी। साथ ही परीक्षाओं का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर ही करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकार आयोजित होंगी परिक्षाएं

कक्षा पहली परीक्षा:
13 मार्च को अंग्रेजी, 14 को हिंदी, 16 मार्च को गणित

कक्षा 2 की परीक्षा:
13 मार्च को अंग्रेजी, 14 को हिंदी 16 मार्च को गणित

कक्षा 3 की परीक्षा:
13 मार्च को अंग्रेजी, 14 को हिंदी 16 को गणित, 18 को ईवीएस

कक्षा 4 की परीक्षा:
13 मार्च को अंग्रेजी, 14 को हिंदी 16 को गणित, 18 मार्च को ईवीएस

कक्षा 5 की परीक्षा:
16 को गणित, 18 मार्च को ईवीएस 13 मार्च को अंग्रेजी 14 को हिंदी

कक्षा 6 की परीक्षा:
11 मार्च को हिंदी 12 को अंग्रेजी 13 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, ऊर्दू 14 विज्ञान, 16 को चित्रकला, संगीता गायन वाद्य यंत्र, गृह विज्ञान, कृषि 17 सामाजिक विज्ञान, 18 को गणित

कक्षा 7 की परीक्षा:
11 मार्च को अंग्रेजी, 12 को विज्ञान 13 को गणित, 14 को संस्कृत, पंजाबी, ऊर्दू, 16 को सामाजिक विज्ञान, 17 को हिंदी, 18 को चित्रकला, संगीत, गायन वाद्य यंत्र, गृह विज्ञान।

कक्षा 8 की परीक्षा:
11 मार्च को गणित, 12 को हिंदी 13 को अंग्रेजी 14 सामाजिक विज्ञान 16 मार्च को संस्कृत पंजाबी, ऊर्दू 17 मार्च को चित्रकला, संगीत, गायन वाद्य यंत्र, गृह विज्ञान 18 मार्च को विज्ञान की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

मेरा शहर मेरी समस्या कन्हेली रोड

गंदगी के लगे अंबार, कूड़ा न उठने से परेशान लोग बोले

सड़कों और गलियों में फैला कचरा साफ करवाओ सरकार, वरना हो जाएंगे बीमार

रोहतक। शहर की कन्हेली रोड और इससे जुड़ी गलियों में इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह फैला कूड़ा, पॉलीथिन और घरेलू कचरा लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। समय पर कूड़ा उठान न होने के कारण सड़क किनारे और गलियों में कचरे के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे पूरे इलाके में बदबू फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है, लेकिन संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। गंदगी के कारण क्षेत्र में मच्छर और मक्खियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे डेंगू, मलेरिया और पेट से जुड़ी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। सुबह और शाम के समय बदबू इतनी तेज हो जाती है कि लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। दुकानदारों और राहगीरों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि कन्हेली रोड और आसपास की गलियों में नियमित रूप से कूड़ा उठान सुचारू रूप से किया जाए और सफाई कर्मचारियों की निगरानी बढ़ाई जाए। स्थायी व्यवस्था के बिना गंदगी की समस्या खत्म नहीं होगी। जल्द समाधान न हुआ तो लोगों के स्वास्थ्य संकट गहरा जाएगा।

कई बार कर चुके शिकायत लेकिन नहीं हो रही सुनवाई

इसोड से पिछले कई दिनों से कूड़ा नहीं उठाया गया। गलियों में कचरे के ढेर लगे हुए हैं और बदबू से जीना मुश्किल हो गया है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। जिला प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

-जसबीर कुमार, समाजसेवी

गंदगी के कारण बच्चे भी बाहर नहीं खेल पा रहे

घर के सामने ही कूड़ा पड़ा रहता है। बच्चों को बाहर खेलने नहीं दे सकते, क्योंकि गंदगी के कारण मच्छर बहुत हो गए हैं। इसलिए हर समय बीमारियों का डर बना रहता है। जि प्रशासन से अपील है कि यहां से जल्द से जल्द कूड़ा उठवाया जाए।

-रवि, कन्हेली रोड निवासी

स्वच्छता के नाम पर सरकार कर रही बड़े बड़े दावे, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं

स्वच्छता के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन यहां हालात बदतर हैं। अगर जल्द कूड़ा उठान शुरू नहीं हुआ तो हम सभी मिलकर प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाएंगे।

-तिलक, कन्हेली रोड निवासी

गंदगी व बदबू के कारण दुकान पर आने से ग्राहक भी कतरा रहे, समाधान हो

ग्राहक दुकान पर आने से कतराने लगे हैं। गंदगी और बदबू के कारण कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। सफाई कर्मचारी कभी-कभार ही नजर आते हैं। हमारी मांग है कि सफाई व्यवस्था पर ध्यान दें।

-अजीत, कन्हेली रोड निवासी

खबर संक्षेप

हिंदी दिवस पर भाषण और कविता वाचन प्रतियोगिता

रोहतक। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय जसिया में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से भाषण एवं कविता वाचन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता ने इस अवसर पर कार्यक्रम की थीम हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक बताते हुए विश्व हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान का आधार है।

18 को होगी वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप

रोहतक। हरियाणा वेटरन एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वावधान में 35वीं हरियाणा वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन रविवार, 18 जनवरी 2026 को महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (एमडीयू), रोहतक के सिंथेटिक स्पोर्ट्स ग्राउंड में सुबह 9 बजे से किया जाएगा। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों से 30 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष वेटरन खिलाड़ी ट्रैक एवं फील्ड की विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेंगे। जनरल सेक्रेटरी ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस मनाया

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में हिंदी विभाग द्वारा प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सांगवान के दिशा-निर्देशन में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो.सुरेंद्र सांगवान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की पहचान को सुदृढ़ करना तथा उसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विश्व के लगभग 150 देशों में हिंदी बोली जाती है तथा विश्व के लगभग 200 विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में अधिक से अधिक हिंदी भाषा के प्रयोग का आह्वान किया।

ट्रैक्टर से निकाला जा रहा गंदा पानी, स्थायी समाधान के अभाव में लोग बेहाल

300 मीटर सीवरेज पूरी तरह ब्लॉक

कहां है सुपर सकर मशीन, सेक्टर-6 में छह माह से ठप पड़ी सीवरेज लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के सेक्टर-छह में करीब 300 मीटर लंबी सीवरेज लाइन पिछले छह माह से पूरी तरह ब्लॉक पड़ी हुई है। जनस्वास्थ्य विभाग अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं कर पाया है। हालात यह हैं कि विभाग ने मजबूरी में एक ट्रैक्टर लगाकर अस्थायी व्यवस्था की हुई है, जिसमें पाइप डालकर दूषित पानी को सीवरेज के दूसरे मैनहोल की ओर भेजा जा रहा है। यह ट्रैक्टर रोजाना लगभग एक घंटे तक चलाया जाता है, जिस पर विभाग को 400 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। इससे पहले कई बार सुपर सकर मशीन से सफाई करवाई गई थी लेकिन लाइन टूटी हुई है। लोगों का कहना है कि अगर विभाग समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान कर दे, तो क्षेत्रवासियों को राहत मिल सकती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, अगर ट्रैक्टर जैसी वैकल्पिक व्यवस्था न की जाए तो विशाल नगर क्षेत्र सीवरेज के गंदे पानी की चपेट में आ जाता है। कई बार हालात इतने खराब हो चुके हैं कि सीवरेज का पानी सड़कों और गलियों में फैलने लगता है। इससे न केवल बदबू फैलती है, बल्कि आवागमन में भी भारी परेशानी होती है। मजबूरी में विभाग को रोजाना ट्रैक्टर चलाकर पानी आगे भेजना पड़ता है, लेकिन यह समाधान न तो स्थायी है और न ही किफायती। सीवरेज लाइन के ब्लॉक होने का सबसे ज्यादा असर आसपास पड़े खाली प्लाटों पर पड़ा है। इन प्लाटों में लंबे समय से सीवरेज का दूषित पानी इकट्ठा हो चुका है। गंदे पानी के जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

शिवाजी कॉलोनी में भी बनी समस्या

शहर के शिवाजी कॉलोनी में भी दो गलियों की सीवरेज लाइन कभी तो ठीक रहती है तो कभी बैक मारने लग जाती है। ऐसे में हालात बहुत ज्यादा खराब हो गए है। जब तक विभाग इसका स्थाई समाधान नहीं करेगा तब तक इसका समाधान नहीं हो पाएगा। विभाग की टीम दो बार आकर इसकी सफाई करके गई है, लेकिन कुछ दिन तक हालात ठीक रहते है तो कुछ दिन बाद फिर वहीं हालात हो जाते है।

स्थायी समाधान की मांग

क्षेत्रवासियों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि वह अस्थायी इंतजाम छोड़कर सीवरेज लाइन की सफाई, मरम्मत या नई लाइन बिछाने का काम तुरंत शुरू करे। इससे न केवल विशाल नगर और सेक्टर-छह को गंदे पानी से बचाया जा सकेगा, बल्कि विभाग का रोजाना हो रहा अतिरिक्त खर्च भी रुकेगा। लोगों को उम्मीद

कई बार कर चुके हैं शिकायत

पिछले छह महीने से हम यह परेशानी झेल रहे हैं। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हर बार सिर्फ अस्थायी इंतजाम कर दिया जाता है। अगर ट्रैक्टर न चले तो पूरा इलाका गंदे पानी में डूब जाता है। -रमेश खासा, प्रधान, आरडब्लयूए

खाली प्लाटों में भरा पानी

खाली प्लाटों में सीवरेज का पानी भरा रहता है। बदबू के कारण घर के बाहर बैठना मुश्किल हो गया है। मच्छर इतने हो गए है कि बच्चे बीमार पड़ रहे हैं, लेकिन विभाग कोई स्थायी काम नहीं कर रहा। -रामकिशन पावड़िया, प्रदेश अध्यक्ष

रोजाना का खर्च पड़ रहा महंगा

रोजाना ट्रैक्टर चलाने पर प्रति घंटा 400 रुपये खर्च हो रहे हैं। छह महीने में यह लाखों रुपये हो चुके हैं। अगर यही पैसा लाइन को ठीक करने में लगा दिया जाता, तो अब तक समस्या खत्म हो जाती। -मंदीप निवासी

कई बार अधिकारियों से लगाई गुहार

इन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा हमने कई बार अधिकारियों से मिलकर गुहार लगाई। लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिले। स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। -अधिवक्ता दीपक पंघाल

जल्द किया जाएगा समाधान

अगर इस तरह की समस्या बनी हुई है तो इसका यह वैक्लपिक व्यवस्था की हुई है। मशीन द्वारा भी इसकी सफाई की गई है, लेकिन समस्या ज्यादा होने के कारण ट्रैक्टर के माध्यम से इसका कार्य किया जा रहा है। विशाल नगर में लोगों को परेशानी न हो इसलिए यह कार्य करना जरूरी हो गया था। जल्द ही इसका स्थाई समाधान कर दिया जाएगा। आमजन को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

-प्रदीप कुमार, एसडीओ, जनस्वास्थ्य व अभियात्रिकी विभाग

सेक्टर-एक में बदबूदार पानी से बीमारियों का बढ़ा खतरा

- *बार-बार शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समाधान*
- *नलों से आने वाला पानी पीने योग्य नहीं*
- *मजबूरी में लोग या तो पानी उबालकर इस्तेमाल कर रहे हैं या बाहर से बोतलबंद पानी खरीदने को मजबूर हैं।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के सेक्टर-एक क्षेत्र में इन दिनों बदबूदार और दूषित पानी की सप्लाई ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। घरों में नलों से आने वाला पानी पीने योग्य नहीं है और उसमें तेज दुर्गंध आ रही है। हालात यह हैं कि मजबूरी में लोग या तो पानी उबालकर इस्तेमाल कर रहे हैं या बाहर से बोतलबंद पानी खरीदने को मजबूर हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई हफ्तों से यह समस्या बनी हुई है। कई बार जनस्वास्थ्य विभाग को शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। कभी लाइन फ्लश कर दी जाती है तो कभी अस्थायी तौर पर जांच का आश्वासन दे दिया जाता है, लेकिन बदबूदार पानी की सप्लाई बंद नहीं हो रही। दूषित पानी के कारण क्षेत्र में पेट दर्द, उल्टी, दस्त और त्वचा संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी हो रही है। लोगों में इस बात को लेकर डर बना हुआ है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो कोई बड़ी बीमारी फैल सकती है।

लोगों की जुबानी दर्द

स्थानीय निवासी सन्नी ने बताया पानी में इतनी बदबू आती है कि नहाना तक मुश्किल हो गया है। पीने की तो बात ही छोड़ दीजिए। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

गौरव ने कहा मेरे बच्चे अक्सर बीमार रहते हैं। डॉक्टर ने साफ पानी इस्तेमाल करने की सलाह दी है, लेकिन नल से तो गंदा पानी ही आ रहा है। हर महीने पानी खरीदना हमारे लिए भारी पड़ रहा है।

लोकेश ने कहा कि कभी कहा जाता है कि पाइपलाइन में लीकेज है, कभी कहा जाता है सैंपल लिए जाएंगे। लेकिन हफ्तों बीत जाते है, हालात वही के वही है। यह लापरवाही साफ दिखाई दे रही है।

समीर ने नाराजगी जताते हुए कहा अगर समय रहते समाधान नहीं हुआ तो हम सभी मिलकर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। यह सीधा हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते महिला संरक्षण अधिकारी करमिंदर कौर।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर किया जागरुक

रोहतक। पदम सेठ किशन दास दिव्य ज्योति अंध विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवीन (सोशल वर्कर) एवं मीना द्वारा उनके सहयोगियों के साथ किया गया, जिसमें शिक्षक दर्शन, शिक्षा विभाग तथा विद्यालय के सहयोगी सुभाष भारद्वाज का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. सुमन हुड्डा ने मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक रोगों पर व्याख्यान देते हुए मानसिक समस्याओं की पहचान, उनके प्रभाव तथा समय पर उपचार की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं महिला संरक्षण अधिकारी करमिंदर कौर ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े अनुभव साझा करते हुए महिला सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के आपसी संबंधों की जानकारी दी। इस जागरूकता कार्यक्रम का संचालन वार्ड नंबर 2 की एमसी आशा लता, पूर्व एमसी सुरेश सैनी एवं डॉ. प्रवीन सैनी, प्रधानाचार्य जन सेवा संस्थान द्वारा किया गया।

---

50 कैम्परस को पारितोषिक देकर किया सम्मानित

रोहतक। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय आंवल में चल रहे पांच दिवसीय लाइफ स्किल डेवलपमेंट कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता चहल ने विद्यालय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्था, बच्चों के कार्यों व विद्यालय मुखिया गायत्री देवी के कार्य को सराहा। 50 कैम्परस को पारितोषिक दिए गए। रिसोर्स पर्सन को स्मृति चिन्ह भेंट किए। उन्होंने बच्चों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कौशल विकास के लिए प्रेरित किया व स्वच्छता का योगदान समझाया। गायत्री देवी ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सुनीता, अनिता , अंजली, वजीर सिंह , रमेश कुमार, सुभाष सोलंकी, कश्मीर सिंह, सोनिया, डॉ सोमबीर, वीरेंद्र, प्रशांत, दीपक व रीना उपस्थित रहे।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में 13 वर्षों से मुफ्त हो रहा काला पीलिया का उपचार

38,000 काले पीलिये के मरीज पंजीकृत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस का गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग विभागाध्यक्ष एवं सीनियर प्रोफेसर डॉ प्रवीण मल्होत्रा के नेतृत्व में हरियाणा का एकमात्र काले पीलिये के विरुद्ध नोडल ट्रीटमेंट सेंटर है, जो पिछले 13 वर्षों से प्रतिदिन बिना किसी वेटिंग के मरीजों का निःशुल्क इलाज कर रहा है। अबतक लगभग 38,000 काले पीलिये (हेपेटाइटिस बी और सी) के मरीजों को पंजीकृत किया जा चुका है। इस सेंटर पर ना केवल हरियाणा, अपितु आस पास के राज्यों जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब तक के मरीज इलाज करवाने के लिये आते हैं। यह भारत का पहला केन्द्र है जो काले पीलिये के विरुद्ध प्रतिदिन काम करता है और एक ही छत के नीचे एंडोस्कोपी, फाइब्रोस्कैन, कोलोनोस्कोपी, रजिस्ट्रेशन, दवाइयां और काउंसलिंग की सुविधा मुहैय्या करवाई जाती है।

मरीज की जांच करते डॉक्टर।

20 सदस्यों की टीम पर जिम्मेदारी

इसके लिए 20 सदस्यों की टीम पूरी मेहनत और लगन के साथ काम कर रही है। डॉ प्रवीण मल्होत्रा ने बताया कि काले पीलिया में ईलाज के साथ-साथ बचाव की भी जरूरत होती है। इसके लिये निरंतर जागृति अभियान चलाया जाता है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए बताया कि हेपेटाइटिस बी के मरीज के परिवार वालों में भी 13% लोगों में हेपेटाइटिस बी की समस्या पाई जाती है।

सेंटर पर ना केवल हरियाणा, अपितु आस पास के राज्यों जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब तक के मरीज इलाज करवाने के लिये आते हैं।

कमरा 206 में यह वैक्सीन निःशुल्क

डॉ मल्होत्रा ने बताया कि नेशनल वायरल हेपिटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के तहत पहले तो 8000 हेल्थ केयर वर्कर्स को हेपेटाइटिस बी से बचाव के वैक्सीन लगाई जा रही थी। अब वही प्राइवेट अस्पतालों के हेल्थ केयर वर्कर्स के स्वास्थ्य को भी मद्देनजर रखते हुए प्रतिदिन चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी के कमरा 206 में यह वैक्सीन निशुल्क लगाई जा रही है। चिकित्सकों ने आमजन से आग्रह करते हुए कहा कि यदि हम जल्दी वायरस पकड़ने की श्रेणी में आते हैं तो हमें यह वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। डायलिसिस, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, नशे के टीके लगाने वाले व अन्य तरह का नशा करने वाले, एचसीवी, एचआईवी, लिवर सिरोसिस और हेपेटाइटिस मरीज के परिजनों को भी यह वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए।

गर्भवती महिलाओं को भी बचाया

डॉ प्रवीण मल्होत्रा ने बताया कि पीजीआईएमएस रोहतक देश का पहला ऐसा केन्द्र है जहां हाई रिस्क ग्रुप को हेपेटाइटिस बी से बचाव की वैक्सीन सबसे पहले निशुल्क लगानी शुरू की गई। इससे हेपेटाइटिस बी के रोकथाम में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि पीजीआइएमएस रोहतक की स्त्री रोग विभाग एवं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग ने साथ मिलकर एक रिसर्च के माध्यम से माता से उनके नवजात शिशु में होने वाले हेपेटाइटिस बी से बचाव में काफी सफलता हासिल की, जिसमें स्त्री रोग विभाग अध्यक्ष डॉ पुष्पा दहिया और डॉक्टर वाणी मल्होत्रा की भूमिका रही, जिन्होंने करीब 500 हेपेटाइटिस बी की गर्भवती महिलाओं के नवजात को पैदा होने के तुरन्त उपरांत हेपेटाइटिस बी की वैक्सीन और इम्युनोग्लोबिन उनके नवजात शिशु को लगवाकर इस बीमारी से बचाव करवाया, जोकि अपने आप में विश्व रिकार्ड है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 जनवरी 2026

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त
कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

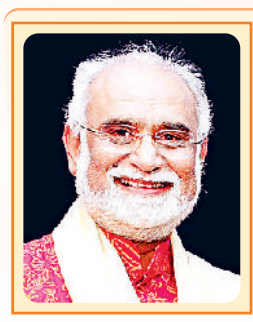

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

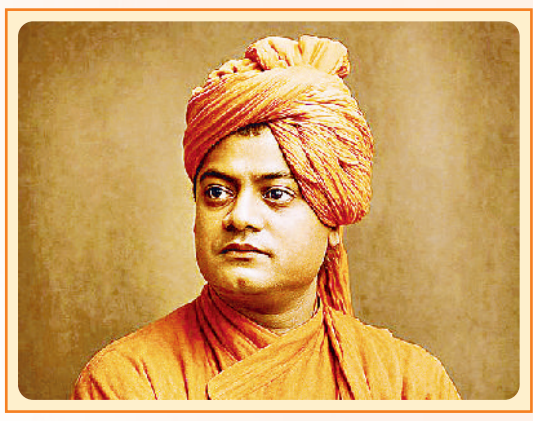

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }
शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }
अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }
भूपेंद्र भारतीय

तपेली में तरी ही बची

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

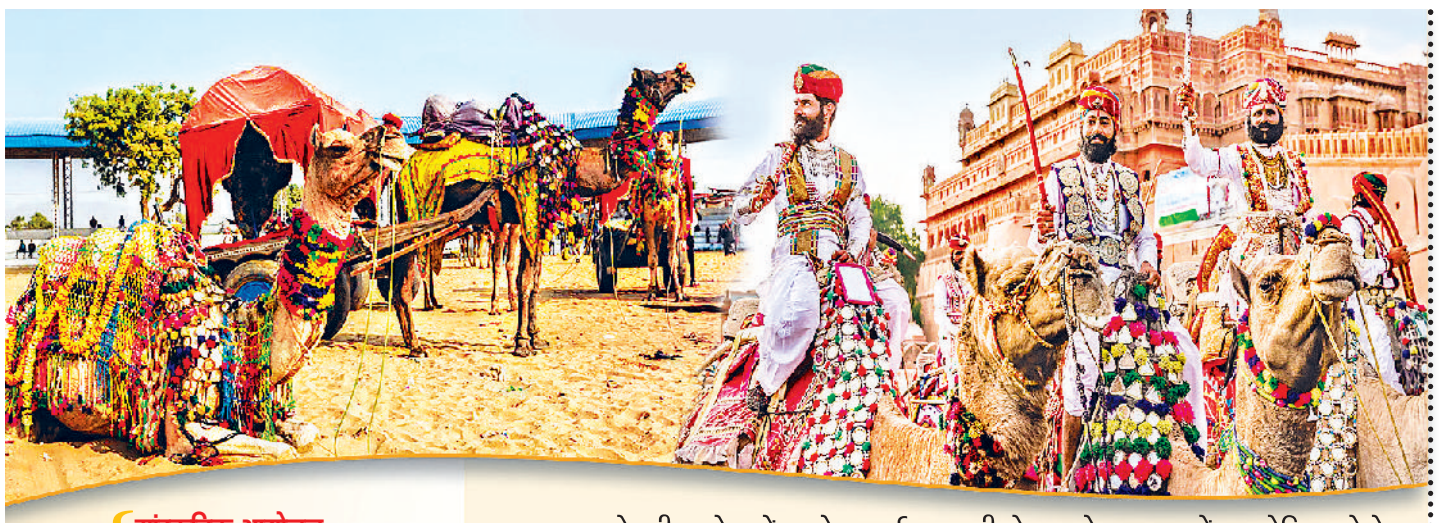

सांस्कृतिक आयोजन
धीरज बसाक

राजस्थान के बीकानेर में प्रत्येक वर्ष जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित होने वाला ऊंट महोत्सव, दुनिया भर में प्रसिद्ध है। 'रेगिस्तान का जहाज' कहे जाने वाले ऊंट के महत्व को दर्शाते और राजस्थान की लोक संस्कृति की झलक दिखाते इस महोत्सव की कुछ विशेषताओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

लोक जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता राजस्थान का बीकानेर ऊंट महोत्सव

बीते दो दिनों से राजस्थान के बीकानेर में चल रहे वार्षिक ऊंट महोत्सव-2026 का आज अंतिम दिन है। राजस्थान की मरुस्थलीय आत्मा, जब परंपरा-लोकजीवन और आधुनिक समय से संवाद करती है, तब बीकानेर ऊंट उत्सव जैसा अनूठा सांस्कृतिक महोत्सव जन्म लेता है। यह केवल पर्यटन आयोजन भर नहीं है बल्कि उस सभ्यता का उत्सव है, जिसने ऊंट को जीवन-सहचर बनाया है।

जीवंत संवाद रचता महोत्सवः मानव सभ्यता के विकास क्रम में शुरू से ही ऊंट बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। विशेष तौर पर राजस्थान के लोक जीवन की बात करें तो ऊंट, यहां के लोगों की यात्राओं, व्यापार, सुरक्षा और जीविका के हर मोड़ पर सहचर के रूप में मिलता है। ऊंटों की इसी प्रासंगिकता और उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति को राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति के रूप में देश और दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करता है बीकानेर में हर साल आयोजित होने वाला यह ऊंट महोत्सव। यह उत्सव राजस्थान की परंपरा एवं संस्कृति को मंच देता है और वर्तमान से उसका जीवंत संवाद रचता है।

वर्तमान-अतीत की झलकः राजस्थान के थार इलाके में सदियों से ऊंट, जीवनरेखा का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यात्रा, व्यापार, कृषि और रक्षा, हर क्षेत्र में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बीकानेर रियासत के दौर में ऊंटों की नस्ल सुधार, उनकी साज-सज्जा और प्रशिक्षण की एक विलक्षण परंपरा विकसित हुई, जिसने आगे चलकर ऊंट उत्सव की आधुनिक प्रस्तुति की रूपरेखा तय किया। यह उत्सव न सिर्फ लोकस्मृति और लोकसंस्कृति को मंच देता है बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी परंपरा से जोड़कर रखता है। उत्सव के दौरान सजे-धजे ऊंटों की भव्य परेड, ऊंट नृत्य, ऊंटों की सौंदर्य प्रतियोगिता और कौशल प्रदर्शन जैसी गतिविधियां मिलकर रेगिस्तान की सौंदर्य भाषा को अनंत विस्तार देते हैं। लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर की थाप पर जब ऊंट लयबद्ध ढंग से चलते हैं, तो लगता है समय ठहर गया है और दर्शक इतिहास के साथ वर्तमान को एक फ्रेम में देख रहे हैं।

हर गतिविधि करती है आकृष्टः भव्य ऊंट शोभा परेड, ऊंट नृत्य, ऊंट करतब, ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता, ऊंट दौड़ और कौशल प्रदर्शन, लोकसंगीत, कालबेलिया और घूमर जैसे लोकनृत्य, शिल्प, खान-पान मेला और दीप प्रज्वलन की सांस्कृतिक संध्या, इस उत्सव के मुख्य आकर्षण होते हैं। ऊंट परेड में जहां सजे-धजे ऊंटों की भव्य रंग-बिरंगी कदमताल देखने को मिलती है, वहीं ऊंट नृत्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित ऊंट, लोक धुनों पर लयबद्ध होकर थिरकते हैं। अपनी तरह के अनोखे आयोजन ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता के तहत ऊंटों की कद-काठी, साज-सज्जा और चाल-ढाल के आधार पर किसी एक सर्वश्रेष्ठ ऊंट को विजेता चुना जाता है। ऊंट दौड़ के कौशल प्रदर्शन में मरुस्थलीय मैदानों में गति और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए ऊंट दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ढोलक, खड़ताल और अलगोजा की धुनों पर नृत्य करतीं राजस्थानी महिला नृत्यांगनाएं, कालबेलिया और घूमर जैसे लोक नृत्यों पर राजस्थानी लोक-संस्कृति का उत्सव प्रस्तुत करती हैं। इस महोत्सव में ऊंट के ऊनी उत्पाद, कशीदाकारी, मिट्टी के शिल्प जैसे प्रसिद्ध राजस्थानी शिल्प का उत्सव भी सजता है। खान-पान की बात करें, तो इस उत्सव में बीकानेरी भुजिया, रसगुल्ला तथा घेवर जैसे पारंपरिक व्यंजनों का पर्यटक बड़े चाव से स्वाद लेते हैं।

कई रूपों में है महत्वपूर्णः बीकानेर ऊंट उत्सव, राजस्थान और देश के सांस्कृतिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इससे देश की भव्य विरासत का संरक्षण भी संभव होता है। इससे ऊंट पालन, पारंपरिक साज-सज्जा और लोककला का दस्तावेजीकरण व मंचन होता है। इससे विलुप्त होती परंपराओं को नया जीवन मिलता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक राजस्थान की लिविंग कल्चर देखते हैं, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर को बल मिलता है। इस महोत्सव में युवाओं की भागीदारी, उन्हें आधुनिकता और परंपरा से परिचय कराता है। इन सब वजहों से ऊंट उत्सव एक अनूठा उत्सव बन जाता है।

ऊंट उत्सव के प्रमुख आकर्षणः अगर आप इस उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं तो सुबह की परेड और शाम को होने वाले सांस्कृतिक आयोजन में हिस्सा लेने से न चूकें। इस उत्सव में आपको स्थानीयता का भरपूर रस मिलेगा, जो इस उत्सव की विशेष खूबी है। उत्सव में लोक संस्कृति, खान-पान और हस्तशिल्प का सौंदर्य देखने को तो मिलता ही है। इस उत्सव में अगर शामिल होने के लिए आप आ रहे हैं तो आस-पास के अन्य ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने का अवसर भी मिल जाता है। कुल मिलाकर बीकानेर का ऊंट उत्सव एक ऐसा उत्सव है, जिससे रंगीले राजस्थान की धज बनती है। *

तन-मन में करे ऊर्जा का संचार सांस्कृतिक पर्व मकर संक्रांति

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक महत्ता तो है ही, इसके स्वास्थ्य संबंधी कई पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहां जानिए, इस पर्व से जुड़ी उन परंपराओं के बारे में, जो शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतरी प्रदान करते हैं।

पर्व-महात्म्य / डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक, सांस्कृतिक या पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सामाजिक समरसता, मेल-जोल और मदद के उन मानवीय भावों से जुड़ा उत्सव है, जिनकी आज के बिखरते भरोसे के परिवेश में बहुत अधिक दरकार है। अहम बात यह भी है कि यह उत्सव सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। बीते कुछ बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने की महत्ता को हमने अच्छे से समझ लिया है। परंपरागत खान-पान और संतुलित जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं और क्रिया-कलाप स्वास्थ्य सहेजने वाली हैं।

सधी दिनचर्या की अहमियतः यह त्योहार ना केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाले इस मौसम में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व, प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। जो सर्दियों के बाद ऊर्जा से भरी दिनचर्या की ओर लौटने का समय होता है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, प्रकृति के बदलाव संग सामंजस्य बनाए हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। आज वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी मन और तन दोनों को सहेजने के लिए सधी दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी धूपः इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। मौजूदा जीवनशैली में कई व्याधियां तो केवल धूप की कमी के कारण ही जड़ें जमा रही हैं। ऐसे में खुले आसमान तले छत पर पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

बेहतर होती है मानसिक सेहतः सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है, जिसमें मन अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। यही वजह है कि यह पर्व मन की सेहत को बेहतर बनाने वाला भी है। यह प्रकृति का आभार जताने का पर्व भी है। साथ ही सूर्य की उपासना का यह पर्व, यह भी सिखाता है कि हम देना सीखें। क्योंकि सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। माना जाता है कि सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरेटॉनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है, जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

त्योहारी आहार से बढ़े इम्यूनिटीः देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्योहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसे आहार का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है, जो शरीर को निरोग रखता है। मकर संक्रांति के पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले भी होते हैं। इस पर्व पर खाई जाने वाली लगभग सभी चीजें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है। आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी लिए है। समझना जरूरी है कि बिखरते मन-जीवन के इस दौर में तो सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना जगाने वाले ऐसे पर्वों की सार्थकता और बढ़ गई है। *

सजेशन
नरेंद्र कुमार

डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर होना, आज कामयाबी की सबसे जरूरी मेरिट बन गई है। आज हर जगह जिस योग्यता की सबसे ज्यादा डिमांड है, वह डिजिटल टेक्नोलॉजी ही है। इस बारे में आपको पता होना चाहिए।

प्रोफेशनल सक्सेस के लिए जरूरी है डिजिटल स्मार्टनेस

आज के दौर में प्रोफेशनल सक्सेस सिर्फ डिग्री, अनुभव या पुराने सर्टिफिकेट पर निर्भर नहीं करती है। वास्तव में प्रोफेशनल सक्सेस की परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक हर जगह अब जिस एक चीज की योग्यता सबसे ज्यादा समझी जाती है, वह है डिजिटल स्मार्टनेस। इसलिए डिजिटल टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट होना जरूरी है।

आज के दौर की जरूरतः पिछले एक दशक से प्रोफेशनल वर्ल्ड में जितना तेज बदलाव हुआ है, पिछले 50 सालों में उतना बदलाव किसी क्षेत्र में नहीं हुआ। एआई आटोमेशन, रिमोट वर्क, एप इकोनॉमी ने लगभग हर सेक्टर की कार्यशैली को एक नई दिशा दी है। दरअसल, अब लगभग सभी सेक्टर्स में पेपर वर्क बहुत कम होता है। अधिकांश काम डिजिटल स्क्रीन पर ही होते हैं, इसलिए हर सेक्टर का वर्किंग सेंटर डाटा बन चुका है। मीटिंग्स अब ऑफिस में आमन-सामने बैठकर कम, ऑनलाइन ज्यादा होती हैं। इसलिए टेक एक्सपर्ट एंप्लॉइज ही कंपनी की पहली पसंद बन गए हैं। ऐसे में अगर अपने करियर में निरंतर आगे बढ़ना है तो डिजिटल स्किल में दक्षता हासिल करिए, यही एकमात्र आगे बढ़ने का जरिया है। आपके पास एकेडमिक कोई भी डिग्री हो, अगर आपमें डिजिटल स्किल नहीं है तो याद रखिए कि आसानी से नौकरी नहीं मिलने वाली। अगर मिल भी गई तो आप अपने करियर में बहुत आगे तक ग्रो नहीं कर पाएंगे।

हर सेक्टर के लिए है जरूरीः प्रोफेशनल करियर कोई भी हो, लेकिन आज हर सेक्टर के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी जरूरी हो चुकी है। फिर चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, कृषि क्षेत्र हो, बैंकिंग हो, पत्रकारिता हो, कानून हो, बिजनेस या इंजीनियरिंग हो, हर क्षेत्र डिजिटल टेक्नोलॉजी से ही संचालित होता है। इसलिए आज किसी भी करियर के लिए ये क्षमताएं जरूरी हैं। जानकारी खोजने की डिजिटल क्षमता, ई-मेल हैंडलिंग, ऑनलाइन कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, एआई टूल्स का उपयोग, एक्सेल पावर, वीआई जैसे डाटा टूल्स, टीम वर्क के लिए जूम, स्लैक, टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल, सोशल मीडिया और डिजिटल ब्रांडिंग जैसी स्किल्स जो व्यक्ति अपने करियर में नहीं अपनाता या अपनाने की क्षमता नहीं रखता, तो समझिए वो मॉडर्न जॉब मार्केट से आउटडेटेड हो जाएगा।

एआई को बनाएं अपना कुलीगः बीते कुछ वर्षों में एआई, हर प्रोफेशनल सेक्टर में हमारा कुलीग बनने के दौर में प्रवेश कर चुका है। एआई अब सिर्फ मशीन टूल नहीं, कई कामों में मददगार बन चुका है। एआई अब प्रोफेशनली आगे बढ़ने में बहुत हेल्पफुल हो सकता है। यह ऐसे तरीकों से आपकी मदद कर सकता है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा भी नहीं गया था। प्रेजेंटेशंस को तैयार करना, प्रोजेक्ट की प्लानिंग करना, कोड-ऑटोमेशन, इंटरव्यू की तैयारी और नए स्किल्स सीखने में यह बहुत हेल्पफुल साबित हो रहा है। आज एआई के उपयोग करने वाले प्रोफेशनल रूटीन वर्क को दूसरे लोगों के मुकाबले 40 से 50 फीसदी कम समय में कर लेते हैं। जाहिर है, दूसरों से ज्यादा प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाते हैं। इसलिए अपने करियर में मनचाही कामयाबी चाहते हैं, लेकिन अभी तक डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्ष नहीं हैं तो बिना देर किए सबसे पहले इसमें दक्षता हासिल कर लें।

हर सेक्टर के लिए अलग डिजिटल टूलः आज कंपनियां अपने लिए एंप्लॉइज रिक्रूट करते समय यह नहीं पूछतीं कि आप कंप्यूटर जानते हैं या नहीं बल्कि पूछते हैं, आप कौन-सा डिजिटल टूल कितनी दक्षता से इस्तेमाल कर सकते हैं? क्योंकि आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए कोई विशेष डिजिटल स्किल न मौजूद हो। जरा इन कुछ डिजिटल तकनीकों पर नजर दौड़ाइए और फिर सोचिए इनमें से किस टूल में दक्ष होना आपके प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए जरूरी है। जैसे-डाटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी बेसिक्स, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ऑटोमेशन टूल्स, एक्सेल एडवांस, ग्राफिक-वीडियो टूल, सीआरएम/ईआरपी सॉफ्टवेयर, एआई सपोर्ट, वर्क फ्लो आदि। इन सारे के सारे टूल्स को ऑपरेट करना अब प्रोफेशनल मेरिट लिस्ट का आधार बन चुका है और करीब-करीब हर क्षेत्र की जॉब का हिस्सा बन चुका है।

पावरफुल है डिजिटल नेटवर्किंगः अब नॉर्मल रेज्यूमे से कहीं ज्यादा लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म शक्तिशाली साबित हो रहे हैं। यहां की आपकी तस्वीर, प्रोफाइल, पोस्ट, कमेंट, बातचीत, सब आपकी डिजिटल पहचान बनाते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के बहुत फायदे हैं। इससे अच्छे प्रोफेशनल अवसरों तक सीधे पहुंच बनती है। इंडस्ट्री लीडर से सीधा संवाद होता है। कई तरह की नौकरियों का पता चलता है। किसी खास प्रोजेक्ट और फ्रीलांस काम करने का भी अवसर मिलता है। इसके जरिए हर प्रोफेशनल अपने आप में सेल्फ ब्रांड बन सकता है, यह कंसेप्ट भी डिजिटल मीडिया से ही आया है। आज 50 प्रतिशत से ज्यादा कॉर्पोरेट जॉब्स डिजिटल रेफरल या नेटवर्क से मिल रही हैं और यह आंकड़ा यहां रुका नहीं है, लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्यों डिजिटल टेक्नोलॉजी में दक्षता आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

ई-लर्निंग के खुले रास्तेः आज सफल करियर का मंत्र है, 'जो सीखना बंद कर देता है, वह आगे बढ़ना भी बंद कर देता है।' डिजिटल टेक्नोलॉजी की सबसे बड़ी देन है, ऑनलाइन सीखने की असीमित आजादी। कोरसेरा, उडेमी, एनबीटीएल, गूगल सर्टिफिकेट्स, यू-ट्यूब पर उपलब्ध कोर्सेस, आज ऐसे अनेक प्लेटफॉर्म है, जहां जबर्दस्त असीमित ज्ञान है। लेकिन अगर आप डिजिटल टेक्नोलॉजी से अंजान हैं, तो यह सारा ज्ञान आप नहीं पा सकते हैं। इसलिए आपका रेग्युलर डिजिटल नॉलेज से खुद को अपडेट करते रहना जरूरी है। *

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हालांकि इन फिल्मों की सफलता का प्रतिशत कम ही रहा है। इसकी प्रमुख वजहों के साथ यहां कुछ ऐसी फिल्मों पर भी नजर डाल रहे हैं, जो साहित्यिक कृतियों पर आधारित रहीं।

साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में कम हुईं सफल-अधिकांश रहीं असफल

किसी भी साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म बनाने के लिए फिल्म के निर्माता-निर्देशक और स्क्रिप्ट राइटर का उस साहित्यिक कृति के मूल भाव को समझना पहली शर्त होती है। कथाकार की भावना को समझना, उसमें मनोरंजन का पक्ष ढूंढ़ना और सबसे बड़ी बात, यह पता लगाना कि जब यह पर्दे पर आएगी तो इसे दर्शक स्वीकारेंगे या नहीं, इन बातों को जानना-समझना बहुत जरूरी है।

शुरुआत से बन रहीं साहित्यिक फिल्मेंः साहित्य और सिनेमा दोनों ही अलग विधाएं हैं। लेकिन फिल्म निर्माण के आरंभिक दौर से ही साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्में बनती रही हैं। हां, इस तरह की साहित्य-आधारित फिल्में संख्या की दृष्टि से कम जरूर बनी हैं। हिंदी की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' भी भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक 'राजा हरिश्चंद्र' पर आधारित थी। बाद में प्रेमचंद की कई कालजयी कृतियों पर फिल्में बनाई गईं। कुछ फिल्में चलीं, तो कुछ को दर्शकों ने नकार दिया। साहित्यिक कृतियों पर फिल्में बनाने के अब तक कई प्रयोग हुए, पर ज्यादातर को सफलता नहीं मिली! जितना किसी साहित्यिक कृति को पसंद किया गया, उस पर बनी फिल्में उतनी सफल नहीं रहीं।

'रेणु' की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम'

साहित्यिक कृति पर आधारित यादगार फिल्मेंः बॉलीवुड में साहित्यिक रचनाओं पर आधारित कुछ फिल्मों की बात करें तो प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' पर इसी नाम से बनी फिल्म, फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पर बनी 'तीसरी कसम', महाश्वेता देवी की कहानी पर बनी 'रुदाली', विमल मित्र के उपन्यास पर बनी 'साहब, बीवी और गुलाम', रवींद्र नाथ टैगोर की कहानी 'नष्टनीड़' पर सत्यजीत रे की फिल्म 'चारुलता', ये कुछ यादगार फिल्में हैं। भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास 'चित्रलेखा' पर केदार शर्मा ने फिल्म बनाई, जो सफल भी रही। कमलेश्वर की कृतियों पर आधारित गुलजार द्वारा बनाई गई फिल्में 'आंधी' और 'मौसम' की गिनती भी साहित्य पर आधारित बेहतरीन फिल्मों में होती है। बांग्ला फिल्मकार बासु चटर्जी ने राजेंद्र यादव के उपन्यास पर आधारित 'सारा आकाश' और मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पर आधारित 'रजनीगंधा' जैसी प्रशंसनीय फिल्में बनाई। शरतचंद्र के उपन्यासों पर भी फिल्में बनीं, जिनमें 'देवदास' भी शामिल है।

नहीं चलीं साहित्य पर आधारित ये फिल्मेंः साहित्य पर आधारित कई ऐसी फिल्में बनीं, जिसे आशानुकूल सफलता नहीं मिली। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' पर भी फिल्म बनी। आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास 'धर्मपुत्र' पर बीर.आर. चोपड़ा ने फिल्म बनाई। कहानीकार राजेंद्र सिंह बेदी की कृति 'एक चादर मैली सी' पर भी फिल्म बनी, पर वह भी अपेक्षा के अनुसार नहीं चली। इन फिल्मों के असफल होने का एक कारण संभवतः यह भी था कि फिल्मकार और कलाकार लेखक के मर्म को पकड़कर उसे पर्दे पर ठीक से उतार नहीं पाए! हाल के वर्षों में कथाकार काशीनाथ सिंह की मशहूर कृति 'काशी का अस्सी' पर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने फिल्म 'मोहल्ला अस्सी' बनाई, पर यह फिल्म भी दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। अपने संवादों को लेकर फिल्म विवादों में फंसी सो अलग।

मन्नू भंडारी की कहानी पर बेस्ड 'रजनीगंधा'

साहित्य और सिनेमा में होता है अंतरः साहित्य किसी दृश्य या घटना की जो व्याख्या या विश्लेषण करता है, हर पाठक के पास वही पहुंचता है। पाठकों के स्तर में अंतर के आधार पर उसका प्रभाव भी अलग-अलग होता है। जबकि सिनेमा, दृश्य माध्यम होता हैं। उसके पास व्याख्या और विश्लेषण की सुविधा बहुत कम होती है। साहित्य में जो व्याख्या उसके प्रभाव को बढ़ा देती है, उसी व्याख्या की कोशिश सिनेमा के असर को कमजोर कर देती है। जो विवरण साहित्य की ताकत होता है, वही सिनेमा की कमजोरी बनकर सामने आता है। साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पाठक इसे पढ़ते हुए अपनी कल्पनाशक्ति से दृश्यचित्र बनाता है। जबकि सिनेमा में दर्शक को डायरेक्टर की कल्पनाशक्ति देखनी पड़ती है।

प्रभाव छोड़ने में असफल रही 'मोहल्ला अस्सी'

कमलेश्वर के उपन्यास पर आधारित फिल्म 'आंधी'

होती हैं व्यावसायिक बाध्यताएंः हर फिल्म के पीछे व्यावसायिक दबाव भी काम करता है। ये दबाव भी होता है कि मनोरंजन के बीच साहित्यकार की सोच, उसकी कृति के साथ भी पूरा इंसाफ हो। साहित्यकार अपनी कल्पना शक्ति से पाठकों को जिस कहानी से रूबरू करवाता है, फिल्मकार उसे उतनी ईमानदारी से पर्दे पर उतार भी पाता है या नहीं, ये भी ध्यान रखने वाली बात है। एक ही कहानी को अलग-अलग पाठक अपने मानस में अलग प्रभाव के साथ लेते हैं। जबकि फिल्मकार को उसे हर दर्शक के नजरिए से सजाना पड़ता है। इन्हीं कारणों से अधिकांश मशहूर साहित्यिक कृतियों के फिल्मी प्रयोग खास सफल नहीं हो पाए। इसे हिंदी फिल्मों का दुर्भाग्य ही माना जाना चाहिए कि फिल्मकारों और फिल्म से जुड़े अधिकांश लोगों का साहित्य से कोई सरोकार नहीं रहा, जबकि अन्य क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में बनी कई फिल्में, साहित्यिक कृतियों से जुड़ी रहीं। हम उम्मीद कर सकते हैं आने वाले समय में शायद फिल्मकारों की नजर अच्छी कहानियों पर पड़े, वे उन्हें पर्दे पर सफलतापूर्वक उतार सकें और इस तरह की फिल्में सफल भी हों। *